स्ट्रॉ नौकरानी

अनीता

स्ट्रॉ नौकरानी

कभी एक अच्छी और चतुर लड़की थी जो अपने माता-पिता के साथ एक जंगल के किनारे पर रहती थी. एक दिन जब वह शहर जाने के लिए निकली तो तीन लुटेरों ने उसे पकड़ लिया और उन्होंने उसे अपनी नौकरानी बनने को मजबूर किया. गरीब लड़की को खाना बनाना, घर साफ करना और लुटेरों के कपड़े धोने पड़ते थे. फिर उसने एक दिन भागने की एक योजना के बारे में सोचा. अगले दिन उसने अपनी योजना पर अमल किया. लुटेरों को जंगल में पंखों वाले और बात करने वाले पक्षी ने आश्चर्यचकित किया.

"कैलडकोट ऑनर" लेखिका-कलाकार अनीता ने एक पुरानी कहानी में जान फूंक कर उसे ताजा और दिलचस्प बनाया है.

एक बार एक लड़की थी जो अपनी
माँ और पिता के साथ रहती थी.
वे एक बड़े जंगल के किनारे पर
एक पुराने घर में रहते थे.

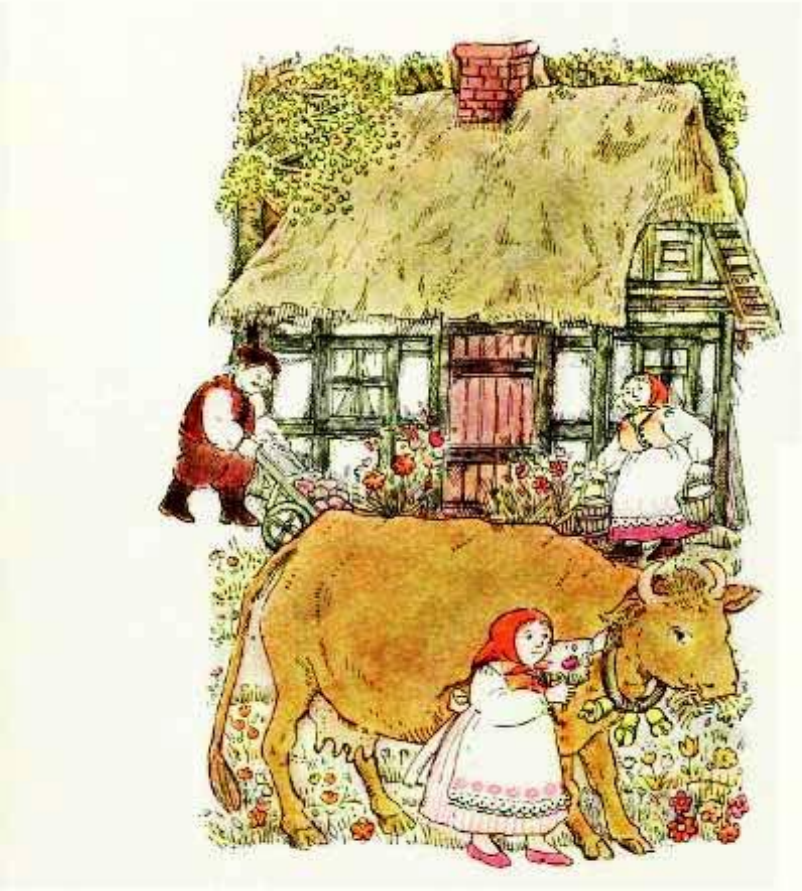

मां और पिता दिन भर कड़ी
मेहनत करते थे.
लड़की केवल गाय की
देखभाल करती थी.
वे बहुत गरीब थे.

एक रात वे अपने भोजन पर बैठे.
"मैंने आज कड़ी मेहनत की है,"
पिता ने कहा. "मैं बहुत भूखा हूँ."
"अलमारी खाली पड़ी है," माँ ने कहा.
"खाने को कुछ नहीं बचा है."

लड़की ने खिड़की से बाहर देखा और कहा, "कल मैं बाजार जाउंगी और अपनी गाय बेच दूंगी. फिर हम खाने के लिए भोजन खरीदेंगे."

"हमारी बेटी कितनी अच्छी है,"
माँ और पिता ने सोचा.
वे भूखे थे लेकिन खुश थे.
फिर वे बिस्तर पर सोने चले गए.

लड़की ने सुबह को गाय के गले में रस्सी बाँधी. उसने माँ और पिता से अलविदा कहा और अपने रास्ते चली. लड़की और गाय एक बड़े और घने जंगल के बीच में से होकर गुज़रे.

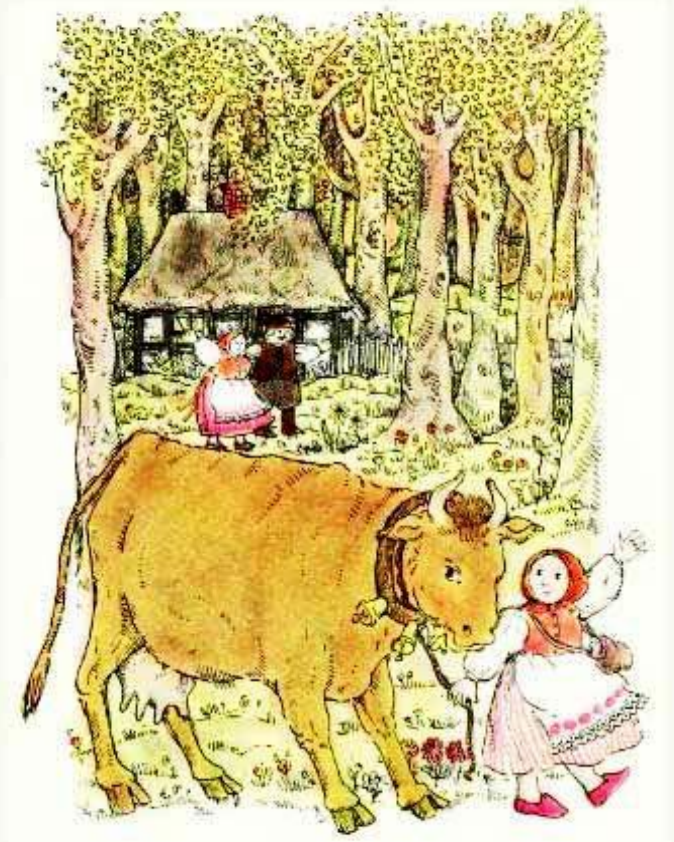

अचानक जंगल में एक पेड़ के पीछे
से तीन लुटेरे कूदे.
"हमें अपना सभी सोना और चांदी
और गहने दो," वे चिल्लाए.
"मेरे पास इस गाय और मेरी पीठ पर
कपड़े के अलावा और कुछ भी नहीं है,"
लड़की ने कहा.
इस बीच लड़की की गाय भाग गई.

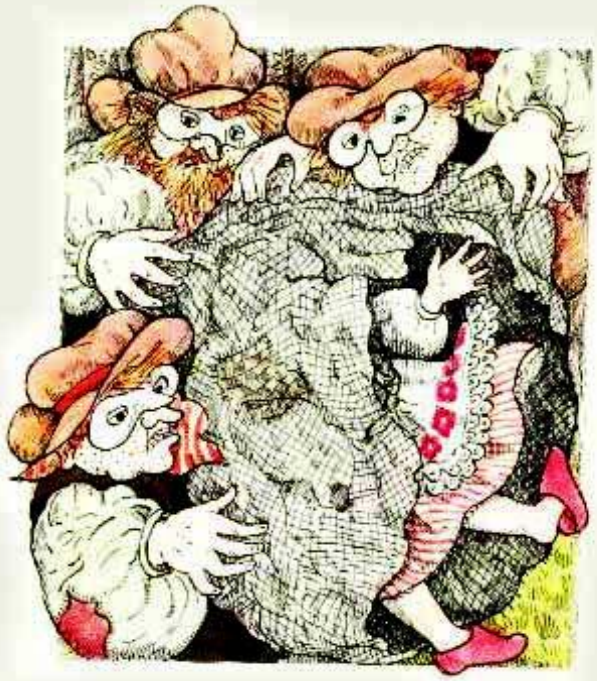

लुटेरे बहुत गुस्सा हुए. उन्होंने
लड़की को एक बोरे में डाल दिया.

और फिर वे उसे अपने घर ले गए.

"अब तुम यहीं रहोगी और हमारी
नौकरानी जैसे काम करोगी,"
पहले डाकू ने कहा.
"तुम हमारे घर को साफ रखोगी
और हमारे कपड़ों में पैबंद
लगाओगी," दूसरे डाकू ने कहा.
"तुम हमारे लिए रात का खाना
पकाना और हमारे घर आने का
इंतजार करना," तीसरे डाकू ने कहा.

हर दिन लुटेरे लड़की को घर में बंद कर देते थे.

लड़की घर साफ
करती थी,

और उनके फटे कपड़ों
को सिलती थी

और फिर उनके लिए रात
का खाना पकाती थी.

और हर दिन लुटेरे चोरी
करने के लिए जाते थे.

और शाम को लुटेरे चोरी किए गए
सोने और चांदी के कीमती गहने
लेकर घर वापिस आते थे.

लड़की थक जाती थी और
बहुत उदास रहती थी.
उसे अपनी माँ और पिता
की बहुत याद आती थी.

एक दिन जब लुटेरे चोरी करने के लिए बाहर जा रहे थे, तो लड़की ने कहा, "आज मैं आपके खाने के लिए कुछ विशेष पकाना चाहती हूं. लेकिन उसके लिए मुझे घर को अच्छी तरह से साफ करना होगा. कृपया खिड़की को खुला छोड़ दें नहीं तो खाना पकाने के बर्तन में धूल गिर जाएगी और वो मेरा खाना खराब कर देगी.”

लुटेरों ने दरवाजा बंद कर दिया, लेकिन
उन्होंने एक खिड़की खुली छोड़ दी. जब वे
चले गए थे, तो लड़की ने चूल्हे के पीछे से
पुआल का एक गुच्छा निकाला .
उसने पुआल की एक बड़ी गुड़िया बनाई.

फिर उसने अपनी ड्रेस उतारकर उसे
पुआल की गुड़िया को पहना दी.

फिर उसने गुड़िया को
खिड़की पर रख दिया.

उसके बाद लड़की को शहद का एक मर्तबान मिला. उसने अपने पूरे शरीर पर शहद पोता.

फिर उसने पंखों से भरे एक तकिए में एक छेद बनाया.
सारे पंख बाहर उड़कर आये.

लड़की पंखों में लोटी. जल्द ही वो
एक बड़े पक्षी की तरह लगने लगी.

लड़की ने तकिए के खोल में सोने और
चांदी और कीमती गहने भरे. फिर
उसने खिड़की से बाहर छलांग लगाई.

उसी समय तीनों लुटेरे जंगल के रास्ते
घर लौट रहे थे.
"देखो," पहले डाकू ने कहा.
"हमारी नौकरानी खिड़की से हमें अपना
हाथ लहरा रही है."
"मैं सोच रहा हूँ कि उसने आज हमारे लिए
क्या नया पकाया होगा," दूसरे डाकू ने कहा.
"मुझे अच्छे खाने की खुशबू आ रही है,"
तीसरे डाकू ने कहा.

तभी एक पक्षी दौड़कर आया.
"यह बड़ा अजीब पक्षी है,"
पहले डाकू ने कहा.
"मैंने ऐसा पक्षी कभी नहीं देखा,"
दूसरे डाकू ने कहा.
"मुझे शहद की गंध आ रही है,"
तीसरे डाकू ने कहा.

"जल्दी से घर जाओ," पक्षी ने कहा.
"तुम्हारी नौकरानी ने आज तुम्हारे
लिए बहुत ख़ास भोजन बनाया है!"

उसके बाद पक्षी बहुत तेजी
से वहां से भाग गया.

लुटेरे घर पहुंचे. नौकरानी खिड़की में बैठी उनका इंतजार कर रही थी.

"क्या तुम्हारा दिन अच्छा बीता?" पहले डाकू ने पूछा.

"क्या घर साफ-सुथरा है?" दूसरे लुटेरे ने पूछा.

"रात के खाने में क्या है?" तीसरे लुटेरे ने पूछा.

नौकरानी ने कोई जवाब नहीं दिया.
तीनों लुटेरे खाने की मेज़ पर बैठ गए.
पर नौकरानी अपनी जगह से बिल्कुल
नहीं हिली.

लुटेरे बहुत गुस्सा हुए और चिल्लाए,
"हमें भोजन चाहिए!"
उन्होंने अपनी मुट्ठी से मेज को पीटा.
फिर भी नौकरानी ने उन्हें रात का
खाना नहीं दिया.

लुटेरे बहुत क्रोधित हुए.
वे नौकरानी को अपने चाकुओं
और काँटों से मारने लगे.
पुआल कमरे के चारों ओर उड़ने लगा.
पुआल की गुड़िया पूरी तरह टूटकर
बिखर गई.

"देखो," पहला डाकू चिल्लाया.
"तुमने हमारी नौकरानी को मार डाला है!"
"मैंने ऐसा बिल्कुल नहीं किया है,"
दूसरा डाकू चिल्लाया.
"तुमने ही उसे पहले मारा था!"
"मुझे मेरा रात का खाना चाहिए!"
तीसरा डाकू चिल्लाया.

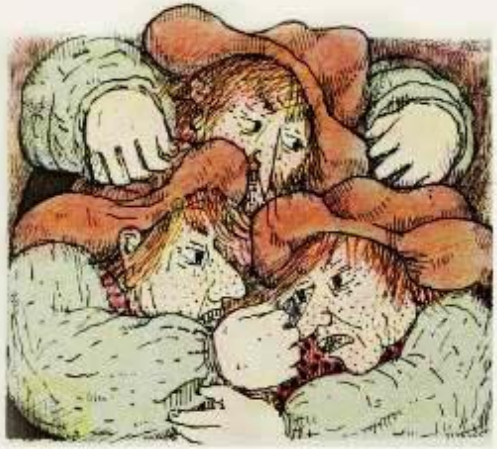

उसके बाद तीनों लुटेरों ने एक-दूसरे
को जमकर पीटना शुरू किया.
उस रात वे अपने-अपने बिस्तरों पर
सोने गए तो उनकी नाक से खून बह
रहा था और उनके पेट खाली थे.

पंख वाली लड़की जंगल में दौड़ती रही. फिर वो एक झरने के पास पहुंची. वहां उसने खुद को सिर से पैर तक धोया.

घर के रास्ते में लड़की को अपनी खोई
हुई गाय भी मिल गई.
माँ और पिता अपनी बेटी और गाय
को फिर से देखकर बेहद खुश हुए.

जब उन्होंने सोना-चांदी और कीमती
गहने देखे तो वे और भी खुश हुए.
"हमारी बेटी कितनी होशियार है,"
माँ और पिता ने कहा.
"अब हम फिर कभी भी भूखे
नहीं रहेंगे!" लड़की ने कहा.

और उस दिन के बाद
से कभी भूखे नहीं रहे.

समाप्त